

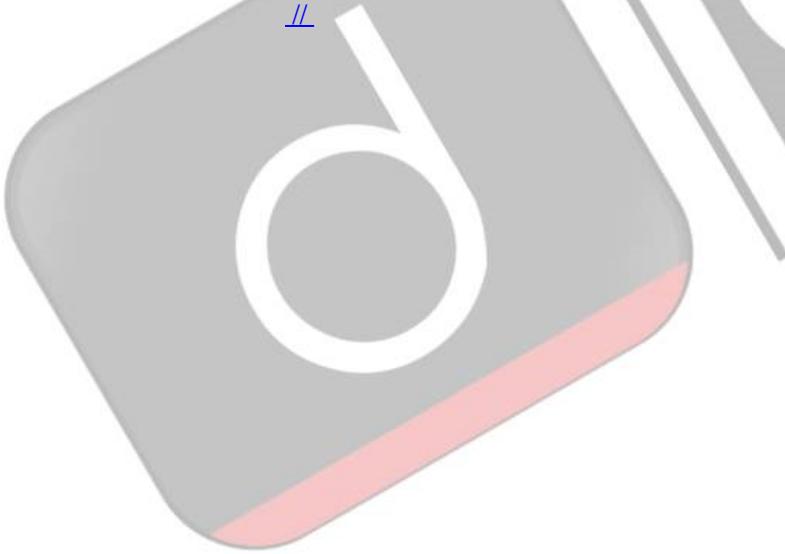
गुरु पद्मसंभव

स्रोत: पी.आई.बी.

नालंदा, बिहार में गुरु पद्मसंभव के जीवन और जीवंत वरिासत पर दो दविसीय सम्मेलन आयोजति कयिा गया, जसिका आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परसिंघ (International Buddhist Confederation- IBC) एवं नव नालंदा महावहिर द्वारा कयिा गया था ।

- यह कार्यक्रम गुरु पद्मसंभव द्वारा बौद्ध शकिषाओं को स्थानीय संस्कृतयिों और परंपराओं के अनुकूल बनाने पर केंद्रति था ।
- गुरु पद्मसंभव, जनिहें गुरु रनिपोछे के नाम से भी जाना जाता है, 8वीं शताब्दी के एक ऋषथिे, जनिकी शकिषाओं ने हिमालय क्षेत्र में बुद्ध धम्म के प्रसार को महत्त्वपूर्ण आयाम दयिा । उन्हें दूसरा बुद्ध माना जाता है ।
- तबिबती बौद्ध धर्म के संस्थापकों में से एक गुरु पद्मसंभव 749 ई. में तबिबत में प्रकट हुए थे । अन्य दो संस्थापक आचार्य शांत रक्षति और राजा थसिोंग देओत्सेन थे ।
 - तबिबती बौद्ध धर्म भारत के महायान बौद्ध धर्म का वजरयान (तांत्रकि) रूप है ।
- न्यगिमा संप्रदाय की शकिषाएँ पद्मसंभव पर आधारति हैं । शकिषाओं को नौ यानों में वर्गीकृत कयिा गया है, जसिमें जोग्चेन (महा पूर्णता) सबसे महत्त्वपूर्ण है ।
 - जोग्चेन ध्यान के माध्यम से परम चेतना पर ध्यान केंद्रति करता है, जबकविजरयान परंपरा में नरिवाण प्राप्त करने के लयिे अनुष्ठान, प्रतीक और तांत्रकि अभ्यास शामिल हैं ।
- IBC नई दलिली में स्थति एक बौद्ध संस्था है जो वशि्व भर के बौद्धों के लयिे एक साझा मंच के रूप में कार्य करती है । वर्तमान में 39 देशों के 320 से अधिक संगठन इसके सदस्य हैं ।

//





और पढ़ें: [भारत में बौद्ध धर्म](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/guru-padmasambhava>

